

केन्द्रीय विद्यालय संगठन तिनसुकिया संभाग

पूर्व परिषदीय परीक्षा - 2025 -26

विषय - हिंदी (आधार)

विषय कोड(सीबीएसई):- 302

QP CODE : QP12HIN01PB25

कक्षा - बारहवीं

निर्धारित समय- 3 घंटे

अधिकतम अंक- 80

सामान्य निर्देश-

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-
- यह प्रश्नपत्र तीन खंडों में विभाजित है।
- खंड-क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड- ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड-ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।

प्रश्न संख्या	खंड - क (अपठित बोध)	अंक (18)
1.	निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-	(10)
	संवाद में दोनों पक्ष बोलें यह आवश्यक नहीं। प्रायः एक व्यक्ति की संवाद में मौन भागीदारी अधिक लाभकारी होती है। यह स्थिति संवादहीनता से भिन्न है। मन से हारे दुखी व्यक्ति के लिए दूसरा पक्ष अच्छे वक्ता के रूप में नहीं अच्छे श्रोता के रूप में अधिक लाभकर होता है। बोलने वाले के हाव-भाव और उसका सलीका, उसकी प्रकृति और सांस्कृतिक, सामाजिक पृष्ठ भूमि को पलभर में बता देते हैं। संवाद से संबंध बेहतर भी होते हैं और अशिष्ट संवाद संबंध बिगाड़ने का कारण भी बनता है। बात करने से बड़े बड़े मसले, अंतर्राष्ट्रीय समस्याएँ तक हल हो जाती हैं। पर संवाद की सबसे बड़ी शर्त है एक दूसरे की बातें पूरे मनोयोग से, संपूर्ण धैर्य से सुनी जाएँ। श्रोता उन्हें कान से सुनें और मन से अनुभव करें तभी समस्याएँ सुलझने की संभावना बढ़ती है और कम से कम यह समझ में आता है कि अगले के मन की परतों के भीतर है क्या ? सच तो यह है कि सुनना एक कौशल है जिसमें हम प्रायः अकुशल होते हैं। दूसरे की बात काटने के लिए, उसे समाधान सुलझाने के लिए हम उतावले होते हैं और यह उतावलापन संवाद की आत्मा तक हमें पहुँचने नहीं देता। हम तो बस अपना झंडा गाड़ना चाहते हैं। तब दूसरे पक्ष को झुँझलाहट होती है। वह सोचता है व्यर्थ ही इसके सामने मुँह खोला। रहीम ने ठीक कहा था "सुनि अठिलैहें लोग सब, बाँटि न लैहें कोय।" ध्यान और धैर्य से सुनना पवित्र आध्यात्मिक कार्य है और संवाद की सफलता का मूल मंत्र है। लोग तो पेड़-पौधों से, नदी-पर्वतों से, पशु-पक्षियों तक से संवाद करते हैं। राम ने इन सबसे पूछा था- 'क्या आपने सीता को देखा?' और उन्हें एक पक्षी ने ही पहली सूचना दी थी। इसलिए संवाद की अनंत संभावनाओं को समझा जाना चाहिए।	
I	निम्न में से क्या पवित्र आध्यात्मिक कार्य है? (क) ध्यान और धैर्य से सुनना (ख) कान से सुनना और मन से अनुभव करना (ग) दूसरों की बात करना (घ) इनमें से कोई नहीं	1

II	उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक चुनें- (क) संवाद एक कुशल कार्य (ख) संवाद की सफलता का मूलमंत्र - ध्यान और धैर्य से सुनना (ग) ध्यान और धैर्य (घ) सुनना पवित्र आध्यात्मिक कार्य	1
III	निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए- कथन (i) : हमें ध्यान और धैर्य से सुनना चाहिए। कथन (ii) : अशिष्ट संवाद सम्बन्ध बिगाड़ता है। कथन (iii) : सुनना संवाद की सफलता का मूल मंत्र है। कथन (iv) : सुनने से आत्मविश्वास कम होता है। गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही हैं? (क) केवल कथन (i) और (ii) सही हैं। (ख) केवल कथन (ii) सही है। (ग) केवल कथन (i), (ii) और (iii) सही हैं। (घ) केवल कथन (iii) और (iv) सही हैं।	1
IV	संवादहीनता, मौन भागीदारी से कैसे भिन्न है ?	1
V	भाव स्पष्ट कीजिए- 'यह उतावलापन हमें संवाद की आत्मा तक नहीं पहुँचने देता।'	2
VI	संवाद से समस्याओं के सुलझने की संभावना कब बढ़ जाती है ?	2
VII	रहीम के कथन का आशय समझाइए।	2
2.	दिए गए पद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-	(08)
	रहिमन धागा प्रेम का, मत तोरो चटकाय। टूटे से फिर ना जुरे, जुरे गाँठ पर जाय।। रहिमन निज मन की बिधा, मन ही राखो गोय। सुनी इठलैहैं लोग सब, बांटी न लैहैं कोय।। रहिमन विपदा ही भली, जो थोरे दिन होय। हित अनहित या जगत में, जान परत सब कोय।। रहिमन ओछे नरन ते, तजौ बैर अरु प्रीत। काटे चाटे स्वान के, दोउ भाँति विपरीत ।। रूठे सुजन मनाइए, जो रूठे सौ बार। रहिमन फिरि फिरि पोइए, टूटे मुक्ताहार।।	
I	कवि रहीम ने प्रेम रूपी धागे को झटका देकर न तोड़ने की बात क्यों कही है? (क) यह आसानी से टूट जाता है (ख) इससे बेवजह शक्ति नष्ट होती है (ग) यह बहुत कोशिशों के बाद भी नहीं टूटता है (घ) धागा टूटने के बाद नहीं जुड़ता है और जुड़ने पर गाँठ बन जाती है	1
II	कवि रहीम ने अपने मन के दुःख को किसी से कहने के लिए क्यों मना किया ? (क) मन का दुःख और बढ़ जाता है (ख) घर के लोग बहुत नाराज होते हैं (ग) लोग मन के दुःख को कम नहीं करते बल्कि उसका उपहास उड़ाते हैं (घ) मन को बहुत सुकून मिलता है	1

III	हितैषी और गैर-हितैषी लोगों की पहचान कब होती है? (क) खुशी के हर मौके में शामिल होता है (ख) मुसीबत की घड़ी में जब कोई साथ देता और कोई नहीं देता है (ग) हमेशा अपनी दूरी बनाकर रखता है (घ) बुरा काम करते हुए कभी-कभी भलाई का काम करता है	1
IV	कवि रहीम ने तुच्छ लोगों से मित्रता और शत्रुता करने से बचने के लिए किसका उदाहरण दिया है?	1
V	कवि के अनुसार नाराज होने वाले सज्जन व्यक्ति को किस तरह मनाना चाहिए?	2
VI	रहीम द्वारा रचित इन दोहों में से आपको सबसे अच्छा कौन सा दोहा लगा ? इसका भावार्थ लिखिए ।	2
प्रश्न संख्या	खंड-ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)	अंक (22)
3	निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए -	01x06 =06
	- वर्तमान शिक्षा प्रणाली - भविष्य की ऊर्जा : सौर ऊर्जा - राष्ट्र भाषा हिन्दी	
4.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :-	04x02 =08
(क)	मुद्रित माध्यमों हेतु लेखन करते समय किन- किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ।	2
(ख)	संपादकीय को अखबार की आवाज़ क्यों कहा जाता है?	2
(ग)	विशेष लेखन करते हुए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?	2
(घ)	'कहानी और नाटक एक ही सिक्के के दो पहलू हैं' - कैसे ?	2
(ङ)	रेडियो नाटक में ध्वनि प्रभावों का क्या महत्व है ?	2
5.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 80 शब्दों में उत्तर दीजिए :-	02x04 =08
(क)	जनसंचार के प्रमुख साधनों की खूबियाँ और खामियाँ लिखें ।	4
(ख)	कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ।	4
(ग)	रेडियो नाटक सामान्य नाटक से किस प्रकार अलग है ? स्पष्ट कीजिए ।	4
प्रश्न संख्या	खंड- ग (पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)	अंक (40)
6.	निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :-	05x01 =05
	प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे भोर का नभ, राख से लीपा हुआ चौका (अभी गीला पड़ा है) बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो स्लेट पर या लाल खड़िया चॉक	

	मल दी हो किसी ने	
I	प्रातःकाल का नभ कैसा था? (क) बहुत नीला (ख) शंख जैसा (ग) दोनों क-ख (घ) सामान्य	1
II	'स्लेट पर लाल खड़िया चाक' - पंक्ति के अनुसार दिए गए कथनों पर विचार करते हुए सही कथन को चयनित कर लिखिए- (क) बच्चों की पढ़ाई (ख) भोर के आकाश में उभरते लाल रंग (ग) स्कूल की कक्षा (घ) कला और चित्रकारी	1
III	रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए - 'लाल खड़िया चाक'..... को दर्शाता है। (क) मिट्टी के रंग (ख) सुबह के सूरज की लालिमा (ग) बारिश की बूँदें (घ) जंगल की हरियाली	1
IV	निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। कथन (A) : कवि ने आकाश की तुलना स्लेट और खड़िया चाक से की है। कारण (R) : यह तुलना आकाश के रंगों के बदलाव को चित्रात्मक रूप में दिखाने का प्रयास है। (क) कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है। (ख) कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है। (ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता है। (घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, और कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है।	1
V	भोर के नभ को किसकी तरह बताया गया है? (क) राख से लीपे चौके के समान (ख) शंख के समान नीला (ग) लाल केसर से धुली सिल के समान (घ) उपर्युक्त सभी	1
7.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए:-	02x03 = 06
I	'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता मीडिया की संवेदनहीनता प्रकट करती है। कैसे?	3
II	छोटा मेरा खेत' कविता में छोटे चौकोने खेत को 'कागज का पत्रा' क्यों कहा गया है?	3
III	बेकारी की समस्या तुलसी के जमाने में भी थी। उस बेकारी का वर्णन तुलसी के कवित्त के आधार पर कीजिए।	3
8.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :-	02x02 = 04
I	लक्ष्मण की मूर्च्छा टूटने का समाचार सुनकर रावण की क्या प्रतिक्रिया हुई ? 'लक्ष्मण मूर्च्छा व राम का विलाप' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।	2
II	बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झाँक रहें होंगे- 'दिन जल्दी- जल्दी ढलता है' पाठ के आधार पर स्पष्ट करें।	2

III	कविता को बच्चों के समान क्यों कहा गया है ? 'कविता के बहाने' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।	2								
9.	निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :-	05x01=05								
	पैसे की व्यंग्य-शक्ति की सुनिए। वह दारुण है। मैं पैदल चल रहा हूँ कि पास ही धूल उड़ाती निकल गई मोटर। वह क्या निकली मेरे कलेजे को कौंधती एक कठिन व्यंग्य की लीक ही आर-से-पार हो गई। जैसे किसी ने आँखों में उँगली देकर दिखा दिया हो कि देखो, उसका नाम है मोटर, और तुम उससे वंचित हो ! यह मुझे अपनी ऐसा विडंबना मालूम होती है कि बस पूछिए नहीं। मैं सोचने को हो आता हूँ कि हाय, ये ही माँ-बाप रह गए थे जिनके यहाँ मैं जन्म लेने को था! क्यों न मैं मोटरवालों के यहाँ हुआ। उस व्यंग्य में इतनी शक्ति है कि जरा में मुझे अपने सगों के प्रति कृतघ्न कर सकती है। लेकिन क्या लोक वैभव की यह व्यंग्य-शक्ति उस चूरन वाले अकिंचित्कर मनुष्य के आगे चूर-चूर होकर ही नहीं रह जाती ? चूर-चूर क्यों, कहो पानी-पानी। तो वह क्या बल है जो इस तीखे व्यंग्य के आगे ही अजेय ही नहीं रहता, बल्कि मानो उस व्यंग्य की क्रूरता को ही पिघला देता है?									
I	धूल उड़ाती मोटर को देखकर लेखक क्या सोचने लगता है? (क) ऐसी मोटर का मेरे लिए महत्त्व नहीं है। (ख) मैं गरीब माँ बाप के घर क्यों पैदा हुआ? (ग) यह मेरे अहं को चोट पहुँचा रही है। (घ) कुछ नहीं सोचता।	1								
II	लेखक के अनुसार क्या व्यंग्य की शक्ति को पिघला देता है? (क) धन (ख) मोटर (ग) चूरन वाले मनुष्य का बल (घ) समाज का दबाव	1								
III	निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए गद्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए। (क)पैसे की व्यंग्य-शक्ति बहुत साधारण होती है। (ख) मोटर देखने से लेखक को कोई विशेष भावना नहीं होती। (ग) पैसे की व्यंग्य-शक्ति किसी को भी कृतघ्न बना सकती है। (घ) लोक वैभव का व्यंग्य हर किसी पर प्रभाव नहीं डालता।	1								
IV	कॉलम-1 को कॉलम-2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। <table><tr><th>कॉलम-1</th><th>कॉलम-2</th></tr><tr><td>i. व्यंग्य-शक्ति</td><td>1. जिसे जीता न जा सके</td></tr><tr><td>ii. अजेय</td><td>2.ताने या कटाक्ष करने की क्षमता</td></tr><tr><td>iii. चूर-चूर</td><td>3. पूरी तरह से नष्ट या ध्वस्त</td></tr></table> (क) i - (2) ii-(3), iii-(1) (ख) i - (1) , ii-(2), iii-(3) (ग) i - (3) , ii-(2), iii-(1) (घ) i - (2) , ii-(1), iii-(3)	कॉलम-1	कॉलम-2	i. व्यंग्य-शक्ति	1. जिसे जीता न जा सके	ii. अजेय	2.ताने या कटाक्ष करने की क्षमता	iii. चूर-चूर	3. पूरी तरह से नष्ट या ध्वस्त	1
कॉलम-1	कॉलम-2									
i. व्यंग्य-शक्ति	1. जिसे जीता न जा सके									
ii. अजेय	2.ताने या कटाक्ष करने की क्षमता									
iii. चूर-चूर	3. पूरी तरह से नष्ट या ध्वस्त									

V	पैसे की व्यंग्यशक्ति लेखक पर क्या प्रभाव डालती है? (क) उसे अपने लोगों के प्रति कृतघ्न कर सकती है। (ख) उसे शर्मिंदा कर सकती है। (ग) वह अजेय बना रहता है। (घ) उसे पिघला देती है।	1
10.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए:-	02x03=06
I	'काले मेघा पानी दे' नामक निबंध का उद्देश्य और संदेश स्पष्ट कीजिए ?	3
II	बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की कल्पना के आदर्श समाज के तीन प्रमुख बिंदुओं को स्पष्ट कीजिए ।	3
III	लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत की तरह क्यों माना है ? 'शिरीष के फूल' अध्याय के आधार स्पष्ट कीजिए ।	3
11.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए:-	02x02=04
I	लुट्टन पहलवान ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं, यही ढोल है ? 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर बताइए ।	2
II	भक्तिन अपना वास्तविक नाम लोगों से क्यों छुपाती थी ? 'भक्तिन' पाठ के आधार पर बताइए ।	2
III	बाज़ार जाते समय आपको किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।	2
12.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 100 शब्दों में उत्तर दीजिए:-	02x05= 10
I	सिंधु घाटी सभ्यता के लोगों में सादगी व सुरुचि का महत्व अधिक था - 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर उदाहरण सहित स्पष्ट करें ।	5
II	'जूझ' कहानी के लेखक में कविता रचने के प्रति रूचि कैसे उत्पन्न हुई ?	5
III	क्या पीढ़ी के अंतराल को 'सिल्वर वेडिंग' कहानी की मूल संवेदना कहा जा सकता है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए ।	5
